पद २४५

(राग: काफी - ताल: दीपचंदी)

गोपीगृहीं दिध चोरिसिदा। नोडिरम्मा यन्ना।।ध्रु.।। मस्तकदिल्ल मुगुट। मुखकरदिल्ल मुरली। कुंडल मकराकारा।।१।। कस्तुरी तिलक कंठदिल्ल पदका। शंख चक्र गोवर्धन धारा।।२।। माणिकने प्रभु कंसवधाता। पीतवसन नंदिकशोरा।।३।।